

नव्यापितसहस्रकलर्षी २३ गतमनः ॥ धक ॥ न्यताकन ॥ हृदयसंसायन ॥ अन
विनश्यत् ॥ ॥ दुरुपयमाश्रयगंधां वसंयुक्तं ॥ खल ॥ हिरण्यपञ्चपीयूषं
२३ कायमनुपूष्यसम्बद्धवज्रसंस्पर्शपितृविपाककलर्षी ॥ ॥ घटमल
कयत ॥ नृप ॥ व ॥ नृप ॥ मधु ॥ किनी ॥ जल ॥ नृप ॥ २ ॥ मटि ॥ मि ॥ सा ॥ ध ॥ य ॥ श ॥ द ॥ व ॥ न ॥ च ॥ क
हृतसत्त्वमानीय ॥ द ॥ दी ॥ ज ॥ क ॥ ल ॥ र्षी ॥ ॥ पा ॥ श ॥ य ॥ दि ॥ न्ना ॥ च ॥ स ॥ न ॥ द ॥ न ॥ य ॥ श ॥ ध ॥ स ॥ य ॥ न्
मय ॥ स ॥ त्व ॥ पु ॥ व ॥ शि ॥ त ॥ वि ॥ म ॥ ल ॥ क ॥ ल ॥ र्षी ॥ २ ॥ म ॥ हा ॥ ना ॥ ग ॥ द ॥ वी ॥ रू ॥ य ॥ व ॥ धि ॥ चि ॥ रु ॥ नृ ॥ प ॥ न्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

यस्तत्त्वज्ञानसत्त्वजकीरुतं ॥ ६ ॥ **॥ गगनधारेयवी ॥** छिनिपायनचक्रवक्त्र
 विहायाश्चकयद्रूपतिष्ठामधुलहाम ॥ ७ ॥ **॥ समहामकययिया रूं रूं नहि**
 चक्रमायाश्चगदधभाह्वं धिप्रच्छदि ॥ **॥ पृथ्व्यधुडपायप्रवजाश्च**
 विष्णुशिवाप्रियमूर्त्तार्यवयिर्था ॥ **॥ वामदहिनकयश्च** वायपाठश्च
 हयिवजानलमूर्त्तिदिना ॥ **॥ कर्षपावाचनमूर्त्त्यकयहामश्च** रूप
 व वेयसंवाध ॥ ८ ॥ **॥ गगनाय** चक्रवदनछिनिहायनसन्दरी ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

दक्षजपुह्वयक्षकिनहा ॥ १० ॥ **॥ दुःखदवीवायुशीमहामामकिदवी ॥** ११ गगन
 भादकमयनसत्तागा ॥ **॥ आगमवदपूजक्षवर्षा ॥** १२ यागधर्मदिक्का
 गुणउपदहा ॥ **॥ पंचवक्त्रस्वरूपकउदुःख ॥** १३ सयाययागीनीमामहय
 वरुणरुपव ॥ **॥ सतगुणचक्षुःश्रियगतधप्रिया ॥** १४ रुनयिवागवजसः
 नास्वरूप ॥ १५ **॥ गगनयदा** नमश्चैककायक्षयूपधन ॥ १६ स्वरुदिसत्त्व
 उहायधय ॥ १७ **॥ भनाई रूं भनाई रूं ॥** १८ भनाभनई रूं ॥ **॥ इन्द्राग्रा**

कोलितवज्रान्त ॥ १३ ॥

॥ वामकपाठकदहिनकयति ॥ १ ॥ रुद्राहजसुखारिता ॥
सूर्यमधुलमपताधुवमयति ॥ २ ॥ वज्रमधिरुविहृषिता ॥ ३ ॥ सतगुच
चयसिखगतधया ॥ ४ ॥ वज्रवाताहिरुंरूपायसयस ॥ ५ ॥ नागापंचम
॥ कलितवज्रान्तययविभभिदूंचितडावयिषुंकपनादयपी ॥ ६ ॥ वज्रय
गजिरुवनवीनापयिषयिजिनभभिविंइयपं ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ भानन्दम
यतिनय ॥ ९ ॥ वेकाधधिपथीमंइवजा ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

कोलितवज्रान्त ॥ १४ ॥

लसंयागसहजापवनतयंगस्थनीनगति ॥ १ ॥ ठियमखषहुजयलमकूठ
धयोहृदुभीगाननदहिनवाम ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

सर्वेषु ॥ १८ ॥

विहायिवडयिकनृगक्रिययिनलाना ॥ ५ ॥ मलयंडकधुनूवडयिठिठि
मातानहिवडयि ॥ ॥ तहिंरुपूखडनगभरु मयनपिवयिनययि ॥
हाप्रकासंडनपशययिद्रुनूवडनययि ॥ ॥ चडसमकमुपि
सिद्धाकपूयलावनययि ॥ ॥ मलयंडयिधनसण्डित्तकहिंरुपूखड
नययि ॥ ॥ पयनकडकयनधुनूवडनययि ॥ ॥ नियंसरुम
गचडवयियातहिंरुसुजापानययि ॥ ॥ ॥ गगडावलि ॥ सर्व

वद्विवद्विमधुताविष्णुमायकदिता ॥ २ ॥ वडयागिन ॥ चडसधुताकालध्यासि
छिडिपानन ॥ ५ ॥ नमामिवाकूनीसिद्धियागिनीयगिनीगक्षमधुता
॥ २ ॥ वडसुद्विसर्वसिद्धियागिनीगक्षमधुता ॥ ॥ गदिनमधुलकड
सक्षमसदिपमायसुविम्वया ॥ २ ॥ चकिवडुलकधिलचकमखलकु
धिता ॥ ॥ कयमिखलपमायकूदनिमरुठककादिगाम्वया ॥ २ ॥ मधु
मायवडांगालातिडिक्कारुयंकया ॥ ॥ सुमदवडिनिगवूननकय

वि
१२
३

सावक्यापिता ॥ रुद्रनाम ॥ शसिप्रधियां कूडाधु ॥ कृष्ण ॥ तवयि
या ॥ १ ॥ नागाग्रहंति ॥ हाहाहयभक्रियायिप्रसमनधयधिकंवा
रुपिनव ॥ रुद्रवापनकप्रमधियां मन्त्रानमकूटके ॥ नागाग्रहंति ॥
१ ॥ यप्रभायसुखयनायासमप्रसुदनीमाजकाला ॥ रुमविनाहि
नीवेडवापारिहुरुमहिय ॥ प्रभाया ॥ ॥ अविहाय ॥ शवस्तु ॥ रु
मयनकपूरयवयितंवाल् ॥ १ ॥ नीलवर्धवडिप्रहृमप्रमधु

वि
१२
३

वली ॥ ॥ अियंधडवटके ॥ रुद्रिण ॥ सुखप्रपयि ॥ रुद्र ॥ रुद्रहृया ॥ रु
मविनाहिनीवटवापारिहुरु ॥ वनदधमिअन्धप्र ॥ ॥ गभवनिलिला
वडकेलीयाडयेसुगयनप्रमश्रूपा ॥ ॥ समयाश्रानन्दरुतिंगलम
१ ॥ सुतसुखप्रवडप्रपारि ॥ ॥ ॥ नागाग्रहंति ॥ रुद्र ॥ रुद्रवापनकप्रमधियां
१ ॥ रुद्रकवादि ॥ रुद्रमलकूलिप्रधधकप्ररुदिया ॥ ॥ ॥ यामिनी ॥ रुद्र
१ ॥ रुद्रनड ॥ रुद्रनीवडि ॥ रुद्रनाम ॥ रुद्रचुंविद्याप्रकमलसंवावयि ॥ ॥

द्वांग १२ स्तूपं यत्तिनिकमत्र विहसिं गायमहासूखमदियसाद ॥
 वज्रवानाहीमृगलिगभसमप्रनाचयिवरुविविरुप्रहं ग २ वरुप्रिकोय
 प्रयाकिठुनिरुप्रवमृदुव हलनसुसं (ग) ॥ सरुजसंवरुयेया
 गमवंति कर्षपापथाहप्रवचप्रभपसाद २ प्रहमृगलिगभकिठुनिरुप्रववि
 प्रासयिभूयकन ॥ ३ ॥ नागावठुगि ॥ वामखत्यप्रधप्रदहिनंकनठि
 २ पायप्रनोपूयप्रदमाप्रसंठुदवी ॥ ४ ॥ दवीनाचयि ५ कठठिवज्रया

ॐ गीनी शक्तिनिनन्दनद्वी उरुवनपयिस ॥ कालमृत्पुत्रियपाठनवन्धिनः
 जागद्विषभा रुक्मटिनन्दनदित्र ॥ स्थप्रसूतद्वीनी प्रकृतनन्दनद्वी ॥
 न्यपाठद्वी ॥ न्यस्वराव ॥ ४८ ॥ संहारद्वी कपूतकद्वी ॥ भाक
 मार्गद्वी सविहजननी ॥ ४९ ॥ नगरप्रवा ॥ उयं श्वाकृति सयप्रसूत
 कपी ॥ श्रवयश्च त्वसंहारणी ॥ ५० ॥ नक्षत्रमूर्ति श्रुतहर्ष कपनान्नाये
 मयनिवायूवशक्तिमपप्रियानीपदहापूतकृतिनन्दननिवजयगिनी

त्रिभुवनकान्ति ॥ २५ ॥
साधन ॥ २६ ॥

॥ इयं २ हा हा हा हा हा २ क न टि क पा य क न धात्री ॥ ॥ इयं २ यो ड
म म न ह्रि २ गि व न द न धि य मा ला ॥ ॥ इयं २ या ख झ स य झ उ ग
न सं सा य २ प क्ष म मि श्र द य सं वा क्य नि ॥ ७ ॥ या गा न धा रे य वी ॥ गि रु
व न ह्रि नि न म य नि श्र न या य न वि न य व नि ॥ ८ ॥ ना च यि व ड स त्व प
य म ध्र य नी न व नि ॥ ९ ॥ य णि स ह्र सु द धा स य स ह्र सु व नि ॥ १० ॥ व ड
वि ह्र य प य वि णा णि श्र न या य स त्व व नि ॥ ११ ॥ या ग ह्र य वि ॥ हा स य

षष्ठमहवडचिरुप्रधर्मदियापयिरुमिय२ कूठागमयमनाहयमधुल
 वडवधुहियकमलवय॥ ६॥ कूठावडुलहृदयकमलवयचक
 य२मद्विस्तिद्विपुनाथनहायिमहामडासिद्वि॥ ॥ अदिवद्व
 हियमधप्रमधुलविनाथयिषडचक२नीलनीलवधस्यंतिरु
 मममनयायपयिमधुल॥ ॥ पसादिमदहृदिहयमिवद्वयष
 डकूयडंगकडद्वय२स्ययवद्वडिनकूकययियानिडडुवहिय

अथ पञ्चमः ॥ २१ ॥

पञ्चमः ॥ गुण उच्यते यिषा मयि पंग प्रमा कृत्तु विहा गय
सक गुण च यः सि प्रगा कृ प्रिया रुन यि सक्त वड कृत्तु ॥ ६४ ॥
माग रुय वि ॥ अथ कृत्तु पाय दि गं वि दि गं रु व न धी सि प्र मा प च रु य मा ग
गा ग स स घ य गा ग स य स म र्ग क मा गा ग स म य य स व डि या य ॥ ६५ ॥
रु र्ग न मा मि पं च ठा कि नी पं च रु ग नि रु न ठा कि नी य स रु ग रु ल क
॥ पूर्व उरु न पश्चिम दक्षिण च रु रु व न वि प्र मा प वि प्र ख डि या

अथ पञ्चमः ॥ २२ ॥

य रु ठा कि नी दि पि नी च उ सि कं वा उ न पा य व क प सं ठा भ व द न ॥ ६६ ॥
सि पि नी बां पि नी उ म्ब क उ य कि नी ख दं गा प य रु अं कृ व रु स २ व ड ठा
कि नी पा य व क य रु ठा कि नी च रु य रु ठा कि नी च रु य व द न ॥ ६७ ॥ डि न उ
न यी द वी ठा कि नी रुं रु पा य व क प स पं च म्ब रु रु य स वि रु पि ता २ ख रु
ख ट क व ड य रु ख दं गा पा रु प न म य स न द वी ॥ ६८ ॥ या ग ल ति रु अ न पं
च न ठी मं रु क मा या २ व क य की य स सं क भ द रु ॥ ६९ ॥ द व ठी मं रु पा य

प्राज्ञादिना ॥ २५ ॥

ननुवनमपिता२रुह्यखंभवयदहिनेकधया॥ वामपरुकधयसत्र
गुप्ताया२पश्रयतास्कासनदहा॥ दहिनेवामकयधनषत्रधया२
चक्रमाप्रदर्पवात्रपहाना॥ उगातनपप्यपमदिहद्वय्या२अहि
मनस्वरुल्लवयपसादा॥ पागरुजवि॥ गऊडित्तउद्रयहाथ
धनियाकमलकुलिषाश्रद्धयवाकृनि२उमयूक्तकिक्थात्रठिभूनाः
वामखदंगापपधया॥ धी॥ श्रीसम्बन्धायावाकृनि२उमयूक्तकिक्थात्रठिभूनाः

२माययिप्रचापयियाप्रमायासासुरुवकुमडपिभ॥ ॥ पाववुम
मधुवामहाथधयियाउनयभियमाहा॥ नीलरुपिगुलपिहिकनका
वचडमयभूमिविकनायधना॥ ॥ मूलिहययहेनवचापयिया
प्रकासिनाठिविंबूमडा॥ २विभ्वकुलिभमूर्द्धचन्द्रडायुक्तव्यापुचर्म
यठमडा॥ ॥ ॐ विभीषीपंवीप्रभुयनायकठिनिचक्रमहाविजंवी
ना॥ १कन्यशर्मागप्रवीप्रभुप्रहंजयिसययसंसप्यधना॥ ॥ ॐ ॥ प्राग

विषय ॥ ३० ॥

ललिता विषय ॥ विनयपवनसंयागाद्वल्लयिच द्वाविनिहिव म
२ दहयिडिनविं वृक्षमिभमत्रयिस्त्रगवज्जिनीपत्राहासमयम्याम
सयत्र ॥ ५२ ॥ नमामं रघाघंकापचकं हवज्जसम्बप्रतिध्वनूपं २
यिपद्रुमसंयागासंरुवनिध्वमासहज्जानन्दमयहसनूपं ॥ ॥
वज्जययैकासनवृक्षमनुशातनूनामसंगिनिश्रुक्कायध्वनं २ उगम
खनाधनवाधिरुत्तदायकं यागाध ॥ गुरुवहायं ॥ गुनववि

विषय ॥ ३१ ॥

दृढधीयाभ्रपवनकं विदममिमक् ॥ दुडिधिधीया २ चउचकपाठरा
नीपपत्रमध्वनीसर्गहमभाप्रवापाहउवनं ॥ ॥ स्वप्रमायासदृभ
हावपनिहावनावृक्षधर्मसंघस्यशभागनियं २ गुनचत्रमसिप्रंगरुध्री
यागभवनिस्त्रगवज्ज्जन्मज्जनामाप्रवृक्षसत्रक्षी ॥ ५३ ॥ यागललिता
सादृभहायनकनृषिकिंजनिवाहनाधिनामनडायहम्पा २ हाउमायम
रुत्तलक्षिमितिउंरुस्यतानपावनसिप्रमनियहाय ॥ ५४ ॥ दृवीकटूय

॥८८॥ ॥५॥ ॥२॥ ॥३॥

इति यकिमिति कुंरु नायक सपित्रा २ दहिनिश्रुतिदामाह धप्रसिविना
लुकिनिनयनश्रुतिगपवा ॥ ॥ मियसुखकमधुलमाप्यवधभित्तिहि
नापाश्रुगुथधप्रसिनवकम्या २ कयठिखत्यजखदं कनृकमात्रयंच
भिप्रयुक्तं मूकूटकथकपालं ॥ ॥ यचरुथागतदहसिचउदवीकयि
॥ मसिनिविजयाननिजयं २ उगतमात्रनाभनस्ययउगुमात ॥ हिस्
माचिश्रुतिवृत्तयं ॥ ६ ॥ नागरेवविच ॥ ६ ॥ गभभनभित्तिघट

कावासुकिनागभगतिमया २ गकप्रभभनश्रुधकं वृकापूनिरुमसा
नकुकनागभ ॥ ५ ॥ ॥ उयमजल्यकुरुवद्विवायूनाश्रुसदिगंवि
दिगंवल्लिदवतिप्र २ श्रुष्टुभभनकुरुविर्वाप्रभुनीनाचयेसरुडा
नन्दप्र ॥ ॥ कंकप्रिधानावर्हिकमया कालाकूनाककटिकनागभ २
कनंकरेनवावर्हिकमया सनसिजनागभ चरुकवृका ॥ ॥ श्रुद्रुहा
भभषपालनागभ पचधुमयावर्हिकमहीनृहा २ लक्ष्मिवानाकनंक

ॐ सांगदि ॥ ३३ ॥

वृक्षापूनिहमयामहापयनागम् ॥ धायभभनपकतिवृक्षाग्न
नकनागमपूत्रममया २ किलि २ लावाभू २ नवृक्षाकृतिकनगमवर्षस
मया ॥ ॥ द्वादशरुजाद्वादशवदनाचडवभ्रवदनाद्वादशनयना
२ रुनीयि २ र्षपात्रारवद्र २ मभ्रकालिनाडिनिपूनापयिमर्दना ॥
नागंभ्रं २ हयवि ॥ धूमांगमिचक्षुकनानि २ हीषमपिगालकभवमन
॥ ६२ ॥ उंजयिप्रद्रं २ रुद्रकनं कय ॥ २ नानाविहायत्रोदमहावलि

प्रसादिना ॥ ३४ ॥

पञ्चा॥ ॥ समयात्रकुरुयागमन्त्रयदवा१ वाक्त्रिविवाक्त्रयचउमख
नयना॥ ॥ शिखयकत्रंकरुडावलि॥ ॥ २ पश्चिक्त्रंकरुसमाक्
लवयन॥ ॥ मोदमहावलिपृरुवनगयन॥ ॥ मद्यमानसमरुन्ध्रि
यम्राहृष॥ ॥ ३ नागमधूमन॥ ॥ पमादितादिजठुमिसुन्दरीपस
नमयूमधुनसंस्त्रितलयना॥ ॥ ४ ददठुउचउवदनठुह॥ ॥ ५ रि
वउवानाहिक॥ ॥ ६ मूलिगा॥ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

तसंवाधियाय १ दंदाश्रुलिंगनश्रुदयसम्हावनाच्चयिदान्धुच
 कसम्भयनाया ॥ कृत्तिधयभगडचर्मशिशूलाकर्हिठमयधरु
 (भारिता २ मर्जपयिककपालखट्वांगपाभपयधुवस्त्रभियधरा ॥
 ॥ पञ्चजिनवयमकूटश्रुलंकृतघठमडाश्रुयक्षविशुषिता २
 श्रुलिकातिद्रुपिश्रुलित्वापयिवायुचर्मनिवाधनकृष्टकन ॥
 ॥ नप्रभित्तमात्तात्तम्बुधिसम्भवादिद्यच्चकृतिनिकयक्षहिदया २३

नऊनमभायुंरूपायधयक्षगभवकिपत्रमादिवडगीता ॥ ६ ॥
 (६॥ क॥ नृपनांकर्मपर्यागिभिकृचटतशुंवकंस्कंधमलुवडादि
 धगपासियजिगतभिरवप्रधीर्षमात्तन्द्रमोती ॥ वापाक्षगष्टिष्टक (६॥
 नमिवतनरुत्तागचर्माहनीयः पायाक्षीसम्भवावमिडुवनविडयी
 डाकिनीचकवर्हि ॥ ६ ॥ नागवडगी ॥ द्वितीसपावप्रविषाधयि
 कयि (६॥ इथरुनागामधुलनाया ॥ ६ ॥ हृष्टंकायहमयडगतनिवसि

॥ ६ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ ६ ॥

यात्र ॥ सर्वताथागताब्धं सर्वताथागतालयं ॥ सर्वमाण्येनाम्पदं
मधुलमरुमं ॥ १ ॥ अमियं नीपं ऊनदण ॥ २ ॥ सहजसुन्दरीपायाजिनद्र
पयिषि ॥ ३ ॥ अकिधर्मगुं संरुं हननचर्याविस्वधकं ॥ समनरुद्रका
यागं हाषमधुलमरुमं ॥ २ ॥ उचउयागिनी ॥ १ ॥ लमलमल ॥ २ ॥ बजवा
नाहिमूनिंगक्षकोलं ॥ ३ ॥ सर्वलक्षसंपूर्णसर्वलक्षवर्जितं ॥
समनरुद्रवाचगं हाषमधुलं सायथि ॥ ३ ॥ उचक्रुहनादिक्क

कवापि २ इयं ऊयं मूलिङ्गनीलवर्धवा ॥ ५ ॥ सर्वसत्त्वमहाचिरं
 ध्वं प्रकृतिनीर्मलं ॥ समरुद्रचिरं गं रघमधुलमरुमं ॥ ४ ॥
 नाग ॥ ७ ॥ क ॥ संपूर्णं सर्वङ्गमनमपथपदं सर्वनिनादिना ॥ कृत्वा
 सर्वविकल्पमाह कयशङ्गाकिनीरूपकानाजिना ॥ यः चक्रं पवित्रं
 जिनगुणहृत्नादयमाकृदं ॥ यस्यात्सकृदा रुद्रस्य मनसा नृपं
 यसंभयवरु ॥ ७ ॥ नागविहास ॥ ध्वज २ इध्वजध्वजध्वज २ ध्वज २

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पत्रमत्रगा०

नमामि१ श्रुतिकालिचपिरुद्धादधरुद्धुवनध्या१ उमयूकनठि
पयशुति१ नखदांगकपात्रपात्रवस्त्रध्या॥ नमामि२ चतुर्विं
शतिपी॥ १०॥ प्रविष्टव्यपित्तितिलाचन१ रुद्रिसंवीपध्यानमाम्
१ यमनृ१ ध्या॥ ६॥ नागहास॥ पत्रमत्रगायनचरावनहावक१ नच
विग्रहनग्रहक॥ मांसनमानिमउनविष्टान्त्वद्युनमाह्वयसाचपवि
३॥ नागधधभाकन१ ध्या१ नचपेधुन्यसमानदर्प॥ हावनहा

पत्रमत्रगा०

नमामि१ नमो१ निरुतांगसहजविष्टुद्रि॥ यनरुयनरुवंधकिलाक१
ननरुतनरुवंधनमूच्य॥ लाकाभाहनिनिवदिनरुत्वविवाडितसिद्धिन
यप॥ ॥ नसाकगधनधदनयूपा१ नउयसिनचिरुविष्टुद्रि॥ पय
सनधर्मनस्यययविष्टुद्रि॥ शुद्धस्वहावनऊणउमन॥ ६॥
नागनामकप्रि॥ ई॥ ई॥ ददुधयसंसायकयू१ ई॥ दान्नालिंगाक्षयगाध
न॥ ध॥ हवऊरुमननाई॥ ई॥ १॥ ननाई॥ ई॥ ननाभनई॥ ई॥

[illegible]

नाहितवकु २ षड्गुणितलकितायशी ॥ ५ ॥ तवजदवीचकीकधुलकचिन्ता
 चकमखलनोपूयमूर्ध २ मायनप्रथिप्रक ॥ ६ ॥ पितृयष्टसुजदलाडिति
 सुवनमध्वनीवजयंगिनी ॥ ७ ॥ दहिनकयतिवामकपाता २ दिगम्बयमकुट
 सुकधी ॥ ८ ॥ उदलकमलापेपिभव २ उपनिवादमकेनहिरा ॥ ९ ॥
 उभमामिष्टावेनाचनप्य २ उगिनयनकूटिखङ्गांग ॥ १० ॥ रुनीयपूपस
 रुजानन्द २ वजवावाघूरुपमपायान् ॥ ११ ॥ जागनाटनवावरीदाभा

॥ उदलस्यत्ररुदिनकयमशुलयाजितकिमुवनऊननी २ प्रकृकनव
प्रतिनितयनमायचरुयक्षीकृदनी ॥ ॥ श्रीकृष्णकपायधयरुषिय
नयविजमाहा २ कमलकृतिश्रयितप्यवाजयिनाचयिसरुऊखय
पिडी ॥ ॥ चकीभिलकएककुलकएककिस्रएकहा २ हाथयूचकक
टियमखलचयशनोपूयरुषिकी ॥ ॥ रुवपुतयानलरुऊधयियादा
रुमूरुनकलापा २ रुवाहावविवर्जितमूनपममूनरुयगगक्षखय

॥ उदलस्यत्ररुदिनकयमशुलयाजितकिमुवनऊननी २ प्रकृकनव
प्रतिनितयनमायचरुयक्षीकृदनी ॥ ॥ श्रीकृष्णकपायधयरुषिय
नयविजमाहा २ कमलकृतिश्रयितप्यवाजयिनाचयिसरुऊखय
पिडी ॥ ॥ चकीभिलकएककुलकएककिस्रएकहा २ हाथयूचकक
टियमखलचयशनोपूयरुषिकी ॥ ॥ रुवपुतयानलरुऊधयियादा
रुमूरुनकलापा २ रुवाहावविवर्जितमूनपममूनरुयगगक्षखय

विद्वत्कर्मज ॥ ५३ ॥

पीडि ॥ ॥ पयमवजपदनिप्रगतधप्रियगभवनिहाकूलिष्ठा ॥ अनरु
जसिद्धिमाकृपदापक्षमाभिधीवजयागिनी ॥ ६२ ॥ नागरास ॥ शिदलक
मलवर्षकसुमसंलग्नधकनरुवरीना ॥ २४ ॥ विप्रपाकखगामखदवीमद
नपातवापिता ॥ ६३ ॥ नमामि ॥ पाताडिबुवनमातावरुलदवीधीमृ
गसुह्री ॥ २५ ॥ यजसुजासुजवन्दिनचय ॥ १ ॥ अनगाप्रद्विसिद्धिवयपुसादा
॥ ॥ नन्दनवनमिवचन्दनकनूव ॥ अनगाकसुमपणितिजाकवनशूनि

विद्वत्कर्मज ॥ ५४ ॥

स्यंगमस्तानवागमतितीर्थ ॥ अनगातीर्थकृतवन ॥ ॥ अरुहेनवअरु
यागिनीदवी ॥ अनगादवासुजकृतपाप ॥ २ ॥ अरुमकारुयद्वीतनीपवाज
वअनगाविप्रनिप्रवाज ॥ ॥ विष्णवापिततापूशीदवी ॥ अरुवयनिप्र
ऊनऊहिमय ॥ २ ॥ अहिमरुसुखरुलदायनीदवी ॥ ऊनऊनमरुद्रुपाय
यका ॥ ६४ ॥ नागाकतदि ॥ आहवजनेनासादवीडिबुवननाथ ॥ २ ॥ पंचडि
नवापितापंचवर्षदहा ॥ ६५ ॥ नमामि ॥ २४ ॥ एमपूरुगवेन्या ॥ २ ॥ रुवूक

कर्मसुप्रकरण ॥ ५८ ॥

शीगुह्यध्वनीवज्रयागिनीभूत्यहा ॥ पूर्वदिगास्थितरुपवनीत्तवर्गदहि
नपुण्यध्वनीवामविंशध्या ॥ ॥ यस्मिन्निचोत्रियागिनीयदी ॥ गभवन्किलिता
वज्रं कायसंबजा ॥ ७२ ॥ यागकनदि ॥ कर्मसुप्रकरणध्वनीतिदत्तसंजा
न ॥ २३३ कपसंरुवयन्तवर्धयहा ॥ ७३ ॥ नमामि ॥ शोभेनात्सायदी ॥ २३३
वनवापिरुजमरुतुद्रापीया ॥ ॥ दहिनकपतिध्वनीवामखडांगायमा
२३३ किकुलकधिगिप्रपुद्रमाहा ॥ ॥ दहिनेरुवयववामवासुकि

जोतिरुसरुव ॥ ५९ ॥

२३३ सर्वदवदीगनपूजिता ॥ ॥ दहिनेरुवयववामविसम्बय २३३ नानावृकनाना
वागमतिनीय ॥ ॥ रुनयिमनिद्रवजागीतचयन २३३ नमउन्ममाद्रुपद
वयदीयसाय ॥ ७४ ॥ यागकामा ॥ न्वीउसम्वकुरुवर्धयहा ॥
विंशतलकधवा २३३ वाममुजखत्यप्रखडांगायदहिनकपतिध्वनी ॥ ७५ ॥
नमामि ॥ शोभेनात्सायदी २३३ माप्ररुवरुयस्यदी ॥ ॥ चक्रविंशतिपिथव
पुपंचकवनदिनेउध्वर्य २३३ पंचमद्रुधितमंगणिवनयभिलमधुमाहा ॥ ॥

अवनिनिदिनयामनाम्
॥ ३४ ॥

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ १ ॥ मायविष्णुशक्तिधनुःस्य ह्यहं ॥ २ ॥ विविधियत्न
मो प्रित्तं कुरुत दहा ॥ ३ ॥ जगत्तु विवांश्चिन्तयन् ह्यहं ॥ ४ ॥ यागकामा
॥ ५ ॥ अवनित्तिहितवामजान् रक्ताक्षीयक्षमाय संज्ञासा ॥ ६ ॥ यागद्वयभाहू
वन्धिपपाञ्चिकुवननाया अचयवीना ॥ ७ ॥ नमामि श्रीचधुमहप्रा
घनाङ्गामृत्युह्यहं दहा ॥ ८ ॥ विश्वनाथविश्वव्यापित्विजविष्णुमम
हकाधनाया ॥ ९ ॥ अतिहीघनादुर्द्धयचधुमहकाधनाया विष्णुकी

नक्षत्रपीठितमृधनाककप्रक्षयनावेनिसुक्तासायाद्वरूधयक्ष॥
माधवमायापूजन्दयवृक्षानोदपिष्ठाचापाठरूपक्ष॥ २ समयसमाया
नागविभाहाहननायसमहितदहा॥ ॥ यत्नारुजक्षपङ्कलितमोली
कपूजनोपूजयूक्षीमूर्क्षीकाना॥ २ सलनयनागवन्दितचक्षत्रायसत्र
ध्वजमूचलवीना॥ ७७ ॥ नागवसक्त॥ मूकसिक्कसमद्रुतिदहापुका
स्वना॥ विविधियत्नमक्षिमकूठविरुषिका॥ ७८ ॥ नाचप्रणीमूचलवी

ॐ विष्णु संस्तुत ॥ ३३ ॥

नाशतनाचयानन्दविलासयि मूचला ॥ ॥ दामुड हवविंश्मूडादधमि
२५ हस्रमूगलिंगममूचयममूहसंरुं ॥ ॥ विप्रागचन्द्रमूतिरुवरुयं
नाशतस्यनिरुतवकुतर्जनीपाभा ॥ ॥ मातचतुयदर्पनिषील
रुनाशविषमिपूगनतगागमविप्रासयिमूचला ॥ ६ ॥ यागकाम
७ ॥ ईवीजसंरुवषसमदरा २ नवयसदाविंभनलकृशधना २ ददय
उडावडवदना ददधवकुलकननं ॥ ७ ॥ नमामिषीविचकसना

ॐ नमो ॥ ३७ ॥

मानरुपरुवरुयरुयशी ॥ ॥ नरुविंभमिपि ॥ ७ ॥ याकुडिभवीपंवी
यधमा २ चरुचकपपिवृतादवीसंपूठपडलिकहिता ॥ ॥ पहासं
पूठमूलिकलिपदकाका मूकिसुन्दना २ ददधदवी २ वरुवावानम
मिषीचकसमना ॥ ॥ भनगुयचय ॥ ८ ॥ सिपधायरुनयिगीकृशक
कूलिष २ दानपदिप्रमना रुषसदा मधुलमूपाधित ॥ ९ ॥ यागयानक
पि ॥ ३ ॥ यरुनठपिंगलकभा २ नाचयिरुवडनमलिरुभा ॥ १० ॥

वक्रियावि ॥ ३८ ॥

हृयव ॥ दमायकात्ता ॥ उमिचमुहिलयलुउयुक्षराप ॥ ॥ वामद्विद
हिनचमुहिलि ॥ माप्यविनासयिहृयववालि ॥ ॥ दहिनउमयवामरवद्धा
गा ॥ अष्टयागिनिमयीहृयवसंरा ॥ ७ ॥ नागमपव ॥ वडीयापीधामपी
चमुप्रीदवी ॥ सिंधिनीवापिनीऊंक्कउयुकिनी ॥ ८ ॥ नमामिषीयाम
वयस्यनध्वनीया ॥ उनिनउदवीठिउवननायिस्य ॥ ॥ पूर्वउरुयप
श्चिमदक्षिदिगादवी ॥ उकिनीधीपिनीचउसिकंवाऊनी ॥ ॥ चउय

उनिनवयऊनजि ॥ ३९ ॥

मायदिगांउमृहृलंउदवी ॥ उनिनउदवीनाचनिदवी ॥ ॥ रुपिहृयव
मृहृलंउस्यगान ॥ धाउअयागिनीसमयसम्राव ॥ ७ ॥ नागवसन ॥ किन
वयऊननिपरास्वयमसि ॥ विनासयिसमयसद्वन्दाश्रुलिंगम ॥ ८ ॥ नीयस
हृययनध्वनीयसंय ॥ ७ ॥ गमक्ष ॥ श्रुलिंगम ॥ नानन्दनयन ॥ ॥ वापियसंरा
गस्ययधीमयन ॥ नागविनागद्वयिमाप्यनिषक्ष ॥ ॥ मृडकृतिषस
मृगाविमुखना ॥ ससक्षयवमयनद्वन्दाश्रुलिंगम ॥ ॥ दहृदिहृउव

लेखनं गायनं ॥ १० ॥
लेखनं गायनं ॥ ११ ॥

नृणां यागमन्त्राश्च यक्षमा मिह न दधती नृलिङ्गाक्ष ॥ ६ ॥ नागकनदि निर्म
ल गायनं दुष्प्रहृष्टमृत्तम ॥ ७ ॥ उमरुडिनायनं समनसं रुद्र ॥ ८ ॥ रावयि
प्रधीयागमं वप्रवीना ॥ ९ ॥ यागिनी जपकप्रक्षानाचयि ॥ १० ॥ ताकिनी मधुसूतच
कुरुत्प्रिया ॥ ११ ॥ मधुसूतका ॥ १२ ॥ प्रकुप्रयिया ॥ १३ ॥ वकीयायी वहायी नृणां
॥ १४ ॥ सिंधिनी व्याधिनी ॥ १५ ॥ उं वृकडलूकिनी ॥ १६ ॥ ताकिनी द्विपिनी च उ
उनी ॥ १७ ॥ सयप्रसमप्ररुयवंधनमाचयि ॥ १८ ॥ नागनिष्ठ ॥ १९ ॥ मूखया

पंजनमृदयमृत्तमगागक्षकमल्लसाधना ॥ २० ॥ नृणां विनासितनायणी चिय
वीयाक्षविंद्रसमजाठिता ॥ २१ ॥ नमामि निनालं नृणां प्रकृता ॥ २२ ॥ नृणां रुद्र
संसापिता ॥ २३ ॥ स्यदचन्द्रसमभङ्गपुकाभितल्लुचन्द्रसमव्यापिता ॥ २४ ॥
षष्ठंगायगावप्रसाधित्रचक्रवर्तिमयमधुसूतमरुप्रिता ॥ २५ ॥ निर्मलहृदयाच
कक्षापितमृत्तमिह निस्त्रिंशुं मयसाधना ॥ २६ ॥ नृणां दयप्रमानंदविप्रमा
मल्लुचक्रुना नन्दुसमृवा ॥ २७ ॥ प्रयमा विप्रमा मयप्रनरुदिप्रमहासुखसु

गङ्गासम्पदवत्प्रपापितः ॥ हुवङ्गाकालचक्रणीचक्रसम्पदमूनककाटि
सिद्धापात्रंगताश्चरुतडादियानपूरुगिप्रिजाप्रंध्रपुत्रुमहासुखडा
नरुं ॥ ७२ ॥ मागवसंतमधूमरु ॥ मधुप्रिपूठिपूत्राद्रयनिद्रुत्राया २ सुकत्र
दवगनवन्दिरुपादं ॥ ७३ ॥ मेठीमूदिवृक्षधीमंरुक्रमया २ त्वंमूरुहिवंदि
तपयन्नृम्यंभ्रना ॥ ७४ ॥ कूंक्रमयूचिनायासुत्रचिप्रविषमा २ भून्पाकिग
मिनाकनृविहाना ॥ ७५ ॥ विषयविषमाकूतपात्रंगमनस २ विष्वविषा

पितृविवर्गस्य यं ह ॥ सतगुणप्रपन्नमादिविंदुः श्रृंगारध्व ॥ गभवन्निव
गीतपुत्रवकुलिष्ठा ॥ ६ ॥ नागहेयवि ॥ नमामि ॥ जिनध्व ॥ रुक्मं दकचतु
नमः ॥ निश्रुतिगिता ॥ यथा ॥ हानपत्रध्व ॥ रुक्मपाव ॥ धर्मश्रृंगारध्व ॥ ग
॥ ध्व ॥ ननाई ॥ १ ॥ गगनसंसार उध्व ॥ यामना ॥ रुक्मनमाम् ॥ १ ॥ पंचजिनध्व
ना ॥ ॥ ननाई ॥ १ ॥ नमामि ॥ १ ॥ निपुत्रध्व ॥ यथा ॥ सिद्धिविजयदायनी ॥ १ ॥
पितृविवर्गस्य यं ह ॥ सतगुणप्रपन्नमादिविंदुः श्रृंगारध्व ॥ गभवन्निव
गीतपुत्रवकुलिष्ठा ॥ ६ ॥ नागहेयवि ॥ नमामि ॥ जिनध्व ॥ रुक्मं दकचतु
नमः ॥ निश्रुतिगिता ॥ यथा ॥ हानपत्रध्व ॥ रुक्मपाव ॥ धर्मश्रृंगारध्व ॥ ग
॥ ध्व ॥ ननाई ॥ १ ॥ गगनसंसार उध्व ॥ यामना ॥ रुक्मनमाम् ॥ १ ॥ पंचजिनध्व
ना ॥ ॥ ननाई ॥ १ ॥ नमामि ॥ १ ॥ निपुत्रध्व ॥ यथा ॥ सिद्धिविजयदायनी ॥ १ ॥
पितृविवर्गस्य यं ह ॥ सतगुणप्रपन्नमादिविंदुः श्रृंगारध्व ॥ गभवन्निव
गीतपुत्रवकुलिष्ठा ॥ ६ ॥ नागहेयवि ॥ नमामि ॥ जिनध्व ॥ रुक्मं दकचतु
नमः ॥ निश्रुतिगिता ॥ यथा ॥ हानपत्रध्व ॥ रुक्मपाव ॥ धर्मश्रृंगारध्व ॥ ग
॥ ध्व ॥ ननाई ॥ १ ॥ गगनसंसार उध्व ॥ यामना ॥ रुक्मनमाम् ॥ १ ॥ पंचजिनध्व
ना ॥ ॥ ननाई ॥ १ ॥ नमामि ॥ १ ॥ निपुत्रध्व ॥ यथा ॥ सिद्धिविजयदायनी ॥ १ ॥

पञ्चमः ॥ १३ ॥

अङ्गगतीनं जननाहं सर्वभूतं वेधमप्यपदिहनीयं जनप ॥ ६२ ॥ मागधनः
माङ्गमुखं नयनं गणुवपदं नृपाधिपतिगणेश्वरा ॥ मक्षिमकृत्पल्लव
मक्षनृत्तिकिन्नरसंकासिक्त ॥ ६३ ॥ नायियविष्णुमायियादप्यमायिया ॥ ६४
खविनाभनं ॥ मायियामानामप्यसंकाभमप्यवपप्य ॥ ६५ ॥ खविनाभिका ॥
पयधुवाक्षीकूषवज्रवप्रहृष्टिपापदहिनकना ॥ मक्षपधनखदां गाय
त्ययकनतिवाम ॥ ॥ विचित्रवस्तु कंचकटिध्वज ॥ अङ्गदायूक मक्षिमक्षि

पञ्चकपाय ॥ ११ ॥

मा ॥ लम्बादयनधुनलम्बादन ॥ अहापायनमिषिमिषिवज्रन ॥ ॥ पल्ल
नधुनलपल्लवलितामखिकमखनृत्तिकसन्दना ॥ दिनायदत्तारुमसख
दातानमाम्मु ॥ गणेशधियमि ॥ ६६ ॥ नागकाठि ॥ पंचकपायाधालिभमोती
पंचहनपंचमद्वारुन ॥ ॥ नयभियमालागीव ॥ अहावापुचर्मकटिरुधि
नययन ॥ ६७ ॥ ॥ ॥ ॥ कायसजातवदनाखवत्तम्बादयनीलसमदहा
काधधियमालाकाया ॥ पंचामृत्तयसदप्यहनयियाहायनखमकपा

नमो भगवते ॥ १२ ॥

कंसद्रि सिद्धिपसाद ॥ ७ ॥ नागगंधर्वविप्रकृतवर्षकमखदितु
ऊनकृतवर्षलनकंददहिनकुऊगठाहसुमहादीपवना ॥ ८ ॥ नमामि श्रीरिम
सनपप्रमथ्यपश्वामकुऊअरुयमद्रापय्याहीना ॥ ९ ॥ ऊगकसंसायला
रुहलपसादसिद्धिलं ॥ १० ॥ ऊगकमनावंदि ॥ नसिद्धिरुलदहिम ॥
पंचपाशुवसहितइर्यकिसुन्दरीदवी ॥ ११ ॥ अर्थलारुयपुष्पलारुसुमयसु
मंगलं ॥ १२ ॥ सुगुपचयनपसादसिद्धिम ॥ १३ ॥ हावाहावचप्रक्षणीही

जिनवचनयन ॥ १० ॥

मनाऊनमणि ॥ १४ ॥ पप्रमाप्रगिप्रिस्थितवऊपरुवाचार्य ॥ १५ ॥ अमृतप
रुदवविप्रचित्ताहिमगीत ॥ १६ ॥ नागपामकपि ॥ जिनवचननयनि
उवनशीकांयाकननिवाथसिद्धिजिनवचमनिना ॥ १७ ॥ नपात्तमधुलमाभ्य
भमिरुतकीप्र ॥ १८ ॥ ऊगकनाथअरुयदत ॥ १९ ॥ शियागभक्तिवन्धियाप्र
वनादवपुशामनिवृगमन्नलकष्यपदवं ॥ २० ॥ सिद्धायगीवंधुदरुपति
कुमनायाउवंपतिचूडामक्षिनप्रन्दुदवं ॥ २१ ॥ नाठिकमलविकासि

नजिनहनदायनी ॥ दहिनरुडमूरुयदायनिदवी ॥ वामरुडवायकूमा
 नीमूलिगशस्थित ॥ पञ्चशतपूठपविवात्रउद्धात्रिणी ॥ रुगतनय
 डनसुतुड्डात्रिणीमाता ॥ श्रीहृत्पतिदवीपूजापूधमनाहृष्ट ॥ सुक
 यमिद्धिमाकुरुत्पुदना ॥ छ ॥ मागमन्त्रा ॥ भगियाकियक्षइतिल
 लिगासन ॥ कियतिपलपंडितसु ॥ ध ॥ नमामिधीवसंधायाध
 वाजिनऊननी ॥ चिन्तितमनसायलक्षणी ॥ ॥ रुडकलणवामकन

ध्वजी १२ ध्वन्यमंजुलिषहपूरुक्कध्वजी ॥ ॥ हाकध्वन्यवज्जपानि०००॥
 ध्वजी २३ ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ निधिदधनयत्नमंजुलि०००॥
 ध्वजी २४ ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ नागमलित०००॥
 ध्वजी २५ ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ नउरुव
 ध्वजी २६ ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ नउरुव
 ध्वजी २७ ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ नउरुव
 ध्वजी २८ ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ नउरुव
 ध्वजी २९ ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ नउरुव
 ध्वजी ३० ध्वन्यवज्जपानि०००॥ ॥ नउरुव

इंद्रकायसंज्ञा ॥ ८५ ॥
जावति ॥

सायप्रममहासुहाभाहृदिप्रभचिरा ॥ ॥ **जिमयपि विंदुसंहावदा**
किमिरावमनरावयि २ शुन्यनिप्रंजनपयमपुननामयिपून्यनपाउं ॥
॥ **जिमऊलमापचन्दसहिनाखरुनिमिऊ २** निनिहामधुलचकण
रनयसहावखरु ॥ ७९ ॥ **मागडावयि ॥** इंकायसंज्ञाकथुकदहा १
धिरुऊनकाएडिनं ॥ ८० ॥ **मनाइइंमनाइइं २** मनामनाइइं २
॥ **चकीकधुलकगिखरा २** लाचककयूयवमसु ॥ ॥ **मय**

सिंहदिग्भक्षण ॥ ८३ ॥

लनोपनपायय २ घाघप्रहसवाप्यचर्म ॥ **ऊटामकूटविश्ववज**
२ शुक्रमधुमईचन्दचकं ॥ **॥ सव्यकयवऊवमिघ १४ २** रेयवका
लीमूहिरपयं ॥ **॥ धंऊय ॥** ॥ **ऊयं** धिरुऊसम्वयगीडुवन
वापिता २ मद्रिसिद्धिमहामडासिद्धि ॥ ७९ ॥ **मगहयवि ॥** सिंह
दिग्भक्षणवाधिवरुमूनननागमकयूरावा २ चन्द्राणमभानसी
लसवृद्धावासुकिनागभाऊकिमया ॥ ८० ॥ **नडा** नागावाजा नागायूनि

शीवासित हृदिमसिकिप्रभं शहालभमभानमूयकवृद्धातृकनागभयूनि
 तऊयदा ॥ कंकप्रियावावर्हूनमयाहालांकूलालककृटनणम२कयं
 ऊरुयवावर्हूनमयामहापयनागभचरुकवृद्धा ॥ अठुरुहासास्
 खपालनागभपुचन्द्रमयावर्हूमहिप्रहा२लक्रीवानांकयंऊवृद्धाप
 मनागभयूनिमया ॥ धाप्रभमभानपुहृदिवृद्धाभूनकनागभपू
 पनमया२किप्रिकिनावाभूयशवृद्धाकूलिकनागभवर्धनमया ॥ ७ ॥

१॥
 २॥
 ३॥
 ४॥
 ५॥
 ६॥
 ७॥
 ८॥
 ९॥
 १०॥

नागागंधारेवि ॥ ह्यभियमकूटकिप्रकिमसिराभयचत्रशरूग ॥ ध्रु ॥
 साहियवडसुत्वयमभयपयमपदं ॥ गर्भटाभुनिवद्रूपीथछदह
 धय ॥ चानीरुहस्तनसंचाप्रिगुगुसकछकमलरूग ॥ ७ ॥
 नागदभय ॥ मायजालविम्वसुदठभगीना२माहमानदयर्कृदिप्र
 निप्रभ्रासा ॥ ध्रु ॥ नसंसायभ्रासा२नागादभमाहृकृदिप्रनिप्रभ्रासा
 ॥ भूननिखनयनदृकचचिय२उनमनीचिकद्रुद्रुपूयरू ॥

[illegible][illegible]